AC-3504

Seat No._____

Second Year B. A. (External) Examination

April / May – 2003

Hindi (Main) : Paper – III

(आधुनिक हिन्दी पद्य)

(New Cour)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : प्रत्येक प्रश्न के **अंक** समान हैं।

१ ''रश्मिरथी' पौराणिक कथानक पर आधारित आधुनिक खंडकाव्य है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

अथवा

१ ''रश्मिरथी' का *कर्ण* मानवीय गुणों से अलंकृत है।'' चर्चा कीजिए।

२ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(अ) 'रश्मिरथी' की मूल समस्या

(ब) 'रश्मिरथी' में *कृष्ण*

(क) कवच–कुण्डल प्रसंग

(ड) 'रश्मिरथी' की भाषा

३ *भवानी प्रसाद मिश्र* की कविता में निरूपित विविध विषयों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

अथवा

३ ''*भवानी प्रसाद मिश्र* की कविता में जन–चेतना की यथार्थ अभिव्यक्ति हुई है।'' सप्रमाण चर्चा कीजिए।

४ किन्हीं **दो** पर संक्षेप में लिखिए :

(अ) 'सन्नाटा' कविता की संवेदना

(ब) 'शब्दग्रस्त' का भावसौंदर्य

(क) 'गीतफरोश' में निहित व्यंग्य

(ड) *मिश्रजी* की कविता में प्रकृति

५ निम्नलिखित की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(अ) ''तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतलाके,
पाते हैं जग में प्रशस्ति अपना करतब दिखलाके।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक।
वीर खींचकर ही रहते हैं, इतिहासों में लीक॥''

अथवा

(अ) ''सोच रहा हूँ क्या उपाय, मैं इसके साथ करूँगा।
इस प्रचंडतम् धूमकेतु का कैसे तेज हरूँगा।
शिष्य बनाऊँगा न कर्ण को, यह निश्चित है बात।
रखना ध्यान विकट प्रतिभट का, पर तूभी हे तात॥''

(ब) ''मुझे तो इसी गाँव में रहकर
जगाने हैं भूत, बुलाने हैं अनागत
शब्दों की ध्वनियाँ, मुझे पकड़े हैं।

अथवा

(ब) ''सोचता हूँ सुनने की शक्ति बची है
तो चल पड़ने की भी मिल जायेगी
अकेला भी निकल पड़ा पुकार पर
तो धरती हिल जायेगी।''

———————